

तांशुणिकभावे पौरा
खणर सहायत हेपाह
पलुराई वजाब करिभ



प्रथमे बाजेट बनाओक,
आरु ताबपिछत
सुचिन्तितभावे खरच करक



बाजेट बनाई लओक

बाजेटे सकलो खरछ सठिकभावे निरूपण करे ।
आपोनाब उपाजर्नब किछु अंश नियमित खरचब बावे
आरु किछु अंश डरिभ्यतब दरकारब बावे वचाई बथा
आरुश्याक

आजि साँचक, डरिभ्यां सुबक्षित करक

संख्यब अड्यासे आपोनाक आर्थिक कष्टब पबा वचाई
बाथे । सेये आपोनाब उपाजर्नब किछु अंश
डरिभ्यतब प्रयोजनब बावे साँचि बाथक

विचक्षणताबे धन ब्यरहाब करक

आपोनाब कष्ट उपाज्जित धन बहूमूलीया,
सेये चाई-चितीहे खरछ करिब



आबविआई-ये कय...
सठिक वितीय आचरणे,
आपोनाक वचाई बाथे !



बितंके जानिबलै, www.rbi.org.in डिजिट करक
मतमत जनैराब बावे, rbikehtahai@rbi.org.in -लै लिखक



जनहितार्थे प्रचाब कबा ह'ल
भारतीय बिजार्ड बेङ्क
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in